पृष्ठभूमि

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग केंद्र सरकार के दो प्रमुख कार्यक्रमों अर्थात स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण (एसबीएम-जी) और जल जीवन मिशन (जेजेएम) का कार्यान्वयन कर रहा है। सभी गांवों को खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) बनाने के उद्देश्य से एसबीएम-जी चरण-I की शुरुआत 2 अक्टूबर 2014 को की गई थी। 2 अक्टूबर 2019 को देश के सभी गांवों ने स्वयं को ओडीएफ घोषित कर दिया। चरण-I के उद्देश्य हासिल किए जाने के बाद, ओडीएफ स्थिति की निरंतरता सुनिश्चित करने, ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन की व्यवस्था करने और उन्हें हमारे सभी गांवों में प्रत्यक्ष रूप से स्वच्छ दिखाने के उद्देश्य से 2020 में मिशन का चरण-II आरंभ किया गया।

एसबीएम डैशबोर्ड : https://sbm.gov.in/sbmgdashboard/statesdashboard.aspx

भारतीय सभ्यता में जल का महत्व भगवान के बराबर है, इसलिए यह बहुमूल्य है। ऋग्वेद संहिता के एक श्लोक में जल का महत्व बताते हुए कहा गया है "जल सौभाग्य, ऊर्जा, स्वास्थ्य और पवित्रता का स्रोत है, और माता के समान जीवनदायी है!"। 15 अगस्त 2019 को, प्रधानमंत्री ने जल जीवन मिशन का शुभारंभ किया। इस मिशन के शुभारंभ के समय केवल 3.23 करोड़ ग्रामीण परिवारों के पास पानी के नल का कनेक्शन था। मिशन द्वारा राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ साझेदारी में जमीनी स्तर पर किए गए अथक प्रयासों की बदौलत आज 11 करोड़ से अधिक ग्रामीण परिवारों को नल से पानी मिल रहा है।

जेजेएम डैशबोर्ड: https://ejalshakti.gov.in/jjmreport/JJMIndia.aspx

हाल ही में जल सुरक्षा से जुड़े मुद्दे बहु-क्षेत्रीय चुनौतियों का रूप ले रहे हैं और इन चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए हमारे प्रयास भी उनके अनुसार समग्र होने चाहिए। जल संरक्षण एक सामाजिक जिम्मेदारी होनी चाहिए क्योंकि जल "सभी का सरोकार" है। जल को हर किसी का सरोकार बनाने के लिए, **2019 में जल शक्ति अभियान का शुभारंभ किया गया** था। यह एक राष्ट्रीय आह्वान था जिसमें जल संरक्षण और पुनर्भरण के लिए लाखों लोग शामिल किए गए।

जेएसए 2019 के बाद जल संरक्षण और वर्षा जल संचयन पर जोर देते हुए 2020 में "कैच द रेन" अभियान का शुभारंभ किया गया। इस अभियान में "शून्य अथवा केवल सीमित पानी को परिसर से बाहर निकालने" का लक्ष्य निर्धारित किया गया, जो मिट्टी की नमी और बढ़ती भूजल तालिका में सुधार करने में मदद करता है।

अभियान को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया ने सरकार को इसे एक वार्षिक आयोजन का रूप देने के लिए प्रोत्साहित किया, जो मानसून के आगमन से पहले शुरू हो और अगले छह महीनों तक जारी रहे। इसलिए, जल शक्ति अभियान: कैच द रेन अभियान को 2021 और 2022 में अखिल भारतीय स्तर पर कार्यान्वयन किए जाने की गुंजाइश के साथ शुरू किया गया और ये बेहद लोकप्रिय रहे। इन अभियानों ने बड़े पैमाने पर लोगों को संघटित कर जल संरक्षण को प्रभावशाली तरीके से जन आंदोलन बनाकर उत्कृष्ट रूप से अपने दायित्व का निर्वहन किया।

हमारे सभी कार्यक्रमों के केंद्र में लोग और समुदाय हैं। चाहे हमारी नदियों के संरक्षण का प्रयास हो, जल पुनर्भरण और जल उपयोग दक्षता में सुधार करना हो, भूजल का सतत उपयोग करना हो, समुदाय को खुले में शौच मुक्त करना हो, लोगों को उनकी स्वयं की जल सुरक्षा में शामिल करना स्थायी परिवर्तन का आधार बनता है। जल शक्ति अभियान के संबंध में यह बात विशेष रूप से सच है।

एनडब्ल्यूएम पर अधिक जानकारी के लिए : https://nwm.gov.in/ देखें।